an>

Title: Need to set up an AIIMS like Institute in Begusarai, Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : अध्यक्ष महोदया, बिहार सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृति क्षेत्रों में लगातार पिछड़ता रहा है। आज भी लाखों बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। हजारों महिलाओं की प्रसूति में मौत हो रही है। कैंसर, हृदय रोग एवं नस संबंधी बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। इस अवस्था में बिहार में विष्पस्त एम्स जैसे राष्ट्रीय महत्व के अस्पताल में ही इन व्याधियों का इलाज किया जा सकता है। नतीजा लाखों की संख्या में बिहार के लोग नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में इलाज के लिए आते रहते हैं और उनका इलाज संतोषपूद ढंग से नहीं हो पा रहा है। पटना में जो एम्स है, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के रूप में वह अभी भी पूर्ण आकार नहीं ले सका है। उत्तर बिहार तो इस मामले में भयानक स्थिति से गुजर रहा है। गंगा, कोशी, अधमारा समूह की नदियों के हिस्सों में पनपने वाली विभिन्न रोगों की फसलें बेतहाशा बढ़ती जा रही हैं। करोड़ों लोग इलाज के अभाव में बेपनाह हैं। बेगूसराय जिले में चिकित्सकों का एक लंबा समू है। पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधुबनी, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया से हजारों रोगी इलाज के लिए बेगूसराय के निजी नर्सिंग होमों में आते हैं। उत्तर बिहार में बेगूसराय की भौगोलिक स्थिति मध्य में है। केन्द्र सरकार ने 2015-2016 के अपने बजट में बिहार में एक और एम्स खोलने का प्रस्ताव दिया है। यह एम्स उत्तर बिहार में बेगूसराय में खुले। यहां जमीन भी उपलब्ध है। आवागमन के कई राष्ट्रीय मार्गों से यह जुड़ा हुआ है। इसलिए एम्स के लिए यह समीचीन भी है और तमाम तरह की भौतिक संरचनाएं यहां उपस्थित हैं।

अतः सदन के माध्यम से मेरा माननीय प्रधान मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री एवं वित्त मंत्री जी से अनुरोध है कि बेगूसराय में नए एम्स खोलने के लिए अपने स्तर से पहले करें।â€¦(व्यवधान)